

सूक्तियाँ

- 01 मनचाही सफलता - दृढ़ इच्छा शक्ति के साथ लगातार प्रयास से मिल जाती है।
- 02 असफलता - यानी निर्णय लेने, कार्य करने में देरी ना कि हार।
- 03 समय बर्बाद करने वाले समय कमी की ज्यादा शिकायत करते हैं।
- 04 पहले आदत हम चुनते हैं फिर आदतें हमें बनाती हैं।
- 05 विचारों से धन कमाते हैं, धन से विचार नहीं।
- 06 स्मरण शक्ति दिमाग का चौकीदार है उसे जगाते रहें।
- 07 छोटी-छोटी सफलता एक दिन बड़ी सफलता दिलाती है।
- 08 साहस, हिम्मत का बुद्धिमानी के साथ प्रयोग करें।
- 09 दूसरों को बुरा कह कर हम कभी अच्छे नहीं बन सकते।
- 10 बड़ी से बड़ी आग सही समय पर एक प्याले पानी से बुझ सकती है।
- 11 शरीर, बुद्धि से पहले मन को ताकतवर बनायें।
- 12 सबसे बड़ी पूंजी- स्वस्थ शरीर, शांत दिमाग, अर्थपूर्ण सक्रियता है।
- 13 जेब में पैसे भले ना हो, जबान में मीठास तो होनी ही चाहिए।
- 14 आप अपनी संस्था के सबसे महत्वपूर्ण विज्ञापन है यह आप पर निर्भर है कि आप क्या संदेश देना चाहते हैं।
- 15 सभी कामयाब व्यक्ति के पास उतना ही समय था जितना आपके पास है।
- 16 संसार के अधिकांश कामयाब व्यक्ति मध्यम परिवार से हुए हैं।
- 17 बुरी आदतों को सुधार के बजाय समाप्त कर देना बेहतर होता है।
- 18 या तो हम ईमानदार हैं या बेईमान, थोड़े-थोड़े कुछ भी नहीं हो सकते हैं।
- 19 भविष्य को सुधारने अतीत से सीखें और वर्तमान का बेहतर उपयोग करें।
- 20 दानी लोगों के पास धन नहीं होता और धनी लोग दानी नहीं होते।
- 21 जानने, समझने, सीखने की इच्छा ना होना बुढ़ापे की निशानी है।
- 22 प्रकृति ने हँसी आपके भीतरी अंगों के व्यायाम के लिए बनाई है।
- 23 संसार में कोई ऐसा व्यक्ति नहीं जिसने कभी भूल या गलती ना की हो।
- 24 सुबह से शाम तक काम करके व्यक्ति उतना नहीं थकता जितना क्रोध या चिंता से 1 घंटे में थक जाता है
- 25 जल्दी प्राप्त संपत्ति कम हो जाती है थोड़ी-थोड़ी प्राप्त संपत्ति हमेशा बढ़ती रहती है।

- 26 जिम्मेदारी स्वीकारने वाले अधिकतर भाग्य बनाते रहते हैं।
- 27 यदि आप सामान्य से अधिक चाहते हैं तो थोड़ा अधिक निश्चय, साहस व प्रयास करें, यही सौभाग्य है।
- 28 आप अपने भाग्य के विधाता स्वयं है जो आपके शब्द, विचार, कार्य से बनता है।
- 29 आलसी को सब काम कठिन किन्तु परिश्रमी को आसान लगते हैं।
- 30 अपनी सामर्थ्यानुसार श्रेष्ठ काम करना ही सफलता है।
- 31 आपके पीठ पीछे कहने वाले आपकी प्रतिष्ठा का पैमाना है।
- 32 काम करने वालों की अपेक्षा चिंता करने वाले दुनिया से जल्दी चल बसते हैं।
- 33 देर तक बिस्तर में पड़ा रहना, कामयाबी प्रसिद्धि, सफलता से दूर रहने की आदत है।
- 34 चतुर व्यक्ति स्वयं के अनुभव से, सफल व्यक्ति दूसरों के अनुभव से लाभ लेता है।